हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, शुक्रवार, अप्रैल 19, 2024

11 मतदान को लेकर चलाया हस्ताक्षर अभियान

12 गोदाम में गाड़ी लेकर जाने वाले चालकों से सुविधा शुल्क लेने का आरोप

खबर संक्षेप

डीघल में जिलास्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता कल

बहादुरगढ़। शनिवार 20 अप्रैल को डीघल गांव में जिला स्तरीय सीनियर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए कबड्डी विकास समिति के कोषाध्यक्ष सुरेंद्र देसवाल ने बताया कि डीघल गांव की ब्रिगेडियर रण सिंह अकेडमी में एकदिवसीय जिला स्तरीय सीनियर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस चैंपियनशिप में भाग लेने वाले लड़कों का वजन 85 किलोग्राम और लड़कियों का वजन 75 किलोग्राम होना चाहिए। प्रतियोगिता के दौरान चयनित टीम 27 और 28 अप्रैल को दादरी जिले के बाढ़डा में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगी।

तबीयत बिगड़ने से प्रवासी की मौत

बहादुरगढ़। उत्तर प्रदेश मूल के एक युवक की बहादुरगढ़ में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शव को बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल में रखवाया गया है। मृतक की पहचान मुकेश के रूप में हुई है। हरदोई जिले का रहने वाला था। यहां एक फैक्ट्री में काम करता था। बताया गया है कि रोजाना की तरह वीरवार की सुबह भी मुकेश ड्यूटी पर गया था। यहां अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। कर्मचारियों ने उसे संभाला और उसे अस्पताल में लेकर गए। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उधर, सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। उसकी मौत किन कारणों से हुई, इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हो पाएगी।

स्कूल के बाहर से स्कूटी चोरी

बहादुरगढ़। शहर में रोहतक-दिल्ली रोड स्थित एक स्कूल के बाहर से इलेक्ट्रिक स्कूटी चोरी हो गई। वाहन मालिक ने पुलिस को शिकायत दे दी है। छोटूराम पार्क की निवासी पिंकी ने कहा कि कुछ दिन पहले वह सुबह स्कूल में आई थी। स्कूटी बाहर गेट पर खड़ी कर दी। दोपहर करीब ढाई बजे छुट्टी होने पर स्कूल से बाहर निकली तो स्कूटी नहीं मिली। अपने स्तर पर तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

बैंक खाते से निकाले 1.70 लाख से अधिक रुपये

झज्जर : शहर के किरयाणा स्टोर संचालक के खाते से करीब एक लाख सत्तर हजार रुपये निकाले जाने का मामला सामने आया है। दुकान संचालक को जब पता चला तो उसने पुलिस को इसकी शिकायत दी है। पुलिस को दर्ज कराई शिकायत में शहर की प्रिया कालोनी निवासी मनोज गर्ग पुत्र महाबीर प्रसाद ने बताया कि उसने अपना एक करंट खाता शहर के एक बैंक में खुलवा रखा है। वह चार मार्च को जब बैंक में गया तो उसे ट्रांजक्शन का पता चला कि बीती 2 मार्च को उसके खाते से 70 हजार 826 रुपये व एक लाख रुपये की दो ट्रांजक्शन उसकी मर्जी व जानकारी के बिना किसी अंजान

पेरिस ओलंपिक में अब स्वर्ण पर निशाना लगाएगी पलक

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पलक सबसे कम उम्र की भारतीय महिला निशानेबाज, महज पांच साल पहले ही इसे करिअर के रूप में चुना

रवींद्र राठी ▶▶ हरिभूमि न्यूज

बादली इलाके के गांव निमाणा की पलक गुलिया ने महज पांच साल पहले ही निशानेबाजी को कैरियर के रूप में चुना और अब विश्व के सबसे बड़े खेल मुकाबले में जगह बनाने में कामयाब रही। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता पलक गुलिया ने ब्राजील में हुई राइफल और पिस्टल के लिए अंतिम ओलंपिक क्वालीफिकेशन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने के साथ ही 10 मीटर महिला एयर पिस्टल ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पलक गुलिया सबसे कम उम्र की भारतीय महिला निशानेबाज है।

पहले गए झज्जर से गुरुग्राम

दुनिया के कई देशों में अपनी बंदूक के निशाने से पदक जीतने वाली पलक गुलिया का जन्म 9 नवंबर 2005 को झज्जर जिले के गांव निमाणा में हुआ था। पलक के पिता जोगेंद्र गुलिया व मां पूनम देवी ने अपनी बेटी को शिक्षा और खेल में आगे बढ़ाने के मकसद से गुरुग्राम का रुख किया। झज्जर के सहवाग इंटरनेशनल स्कूल से लेकर गुरुग्राम के सेंट जेवियर्स हाई स्कूल तक पलक ने पढ़ाई के साथ खूब मौज-मस्ती की। इस दौरान उसे एक खेल का चयन करना था, काफी सोच-विचार के बाद उसने निशानेबाजी को चुना। करीब डेढ़ साल तक उसे जब भी समय मिलता, वह निशानेबाजी कर लेती थी।

फिर फरीदाबाद हुए शिफ्ट

पलक के परिवार में कभी किसी ने निशानेबाजी नहीं की थी। निशानेबाजी शुरू करने के बाद भी उसने एथलेटिक्स और तैराकी जैसे खेल नहीं छोड़े। लेकिन कोरोना महामारी के दौरान पलक ने निशानेबाजी को गंभीरता से लेना शुरू किया। खेल की जरूरत के अनुसार अपनी दिनचर्या भी बदल दी। शूटिंग में एकाग्रता और शांतिपूर्ण दिमाग अपरिहार्य है। परिजनों ने सुनिश्चित किया कि उसके प्रशिक्षण के दौरान उपकरणों की किल्लत या अन्य कठिनाइयां ना आएं। बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाओं और प्रतिस्पर्धा की तलाश में पलक के परिवार को फरीदाबाद शिफ्ट होना पड़ा। पलक के छोटे भाई-बहन भी उसे आदर्श मानते हैं।

सच हुआ परिवार का सपना

भारतीय शूटर पलक गुलिया ने बीते रविवार को ब्राजील के रियो डी जनेरियो में ओलिंपिक क्वालीफिकेशन चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर पिस्टल में ब्रॉन्ज मेडल भी जीतकर पेरिस ओलंपिक में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली। ताजा उपलब्धि से पलक और उसके परिजन बहुत खुश और उत्साहित हैं। पलक के ताऊ जगबीर गुलिया के अनुसार पूरे परिवार के लिए यह एक सपने के सच होने जैसा है। इसके लिए पलक ने कड़ी मेहनत की है। ग्रामीणों को भी पूरी उम्मीद है कि वह पेरिस ओलंपिक-2024 में भी शानदार प्रदर्शन करेगी। झज्जर जिले के साथ ही पूरा हरियाणा पलक की स्वर्णिम सफलता के लिए दुआ करेगा।

नेशनल से इंटरनेशनल पदक

नवंबर-दिसंबर 2021 में पलक ने दिल्ली में हुई 64वीं नेशनल चैंपियनशिप के 10 मीटर पिस्टल महिला सिविलियन व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक, जूनियर महिला सिविलियन व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक, टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक और 25 मीटर पिस्टल जूनियर महिला सिविलियन टीम स्पर्धा में रजत पदक जीते। जर्मनी में 9 से 20 मई 2022 के दौरान हुए आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप के 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक, मिक्सड टीम स्पर्धा में रजत पदक और जूनियर महिला टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते। कोरिया में 9 से 21 जुलाई 2022 तक आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्सड टीम स्पर्धा में कांस्य पदक और 10 मीटर एयर पिस्टल महिला टीम स्पर्धा में रजत पदक जीते। इजिप्ट में 12 से 28 अक्टूबर 2022 तक हुए 10 मीटर एयर पिस्टल महिला टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

कोरिया से चीन तक जीती

कोरिया में 9 से 19 नवंबर तक हुई 15वीं एशियन एयरगन चैंपियनशिप के 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर महिला व्यक्तिगत और टीम स्पर्धा में दो रजत पदक जीते। भोपाल में नवंबर-दिसंबर 2022 में हुई 65वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में पलक ने 10 मीटर पिस्टल महिला टीम स्पर्धा, 10 मीटर पिस्टल जूनियर महिला टीम स्पर्धा और 10 मीटर पिस्टल यूथ महिला टीम स्पर्धा में तीन स्वर्ण पदक जीते। चीन में हुए एशियन गेम्स में 29 सितंबर 2023 को पलक गुलिया ने महिलाओं की 10 मीटर पिस्टल स्पर्धा (व्यक्तिगत) के फाइनल में स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही कुल 242.1 अंक हासिल कर नया एशियाई खेलों का रिकॉर्ड बनाया था। साथ ही टीम इवेंट में सिलवर मेडल हासिल किया था। अब पलक का अगला लक्ष्य पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतना है।

जाखोदा के पास ट्रेन के सामने युवक ने छलांग लगा जान दी

रोजगार न मिलने से परेशान था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

रोजगार न मिलने से परेशान उत्तर प्रदेश मूल के एक युवक ने बहादुरगढ़ में आत्म हत्या कर ली। उसने जाखोदा गांव के पास ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। मौके पर ही उसकी जान चली गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। इस मामले में 174 के तहत कार्रवाई की गई है।

■ पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया

मृतक की पहचान उपेंद्र के रूप में हुई है। उपेंद्र मूलतः यूपी से था और यहां जाखोदा में रहता था। जानकारी के अनुसार, बुधवार की सुबह वह घर से निकला था लेकिन वापस नहीं आया। इस दौरान उसका शव जाखोदा के निकट रेलवे ट्रैक पर पाया गया। किसी ने यह सूचना दी तो जीआरपी बहादुरगढ़ की टीम मौके पर पहुंची और शव को नागरिक अस्पताल में रखवाया। एक तरफ पुलिस पहचान के प्रयास कर रही थी तो दूसरी तरफ परिजन उपेंद्र को तलाश रहे थे। जैसे-तैसे परिजन जीआरपी के संपर्क में आए तो उन्हें उपेंद्र की मौत की जानकारी ली। वहीं जीआरपी ने परिजनों के बयान लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कराई।

वीरवार को शव परिजनों को सौंप दिया गया। जांच अधिकारी राजेश के अनुसार, उपेंद्र द्वारा आत्महत्या किए जाने की बात सामने आई है। ट्रेन के लोको पायलन ने यह जानकारी दी थी।

बताते हैं कि उपेंद्र पहले सेक्टर-17 स्थित एक कंपनी में काम करता था। किसी कारण से नौकरी छूट गई थी। इसके बाद से वह नौकरी तलाश रहा था। काम न मिलने के कारण तनाव में रहता था। संभवतः इसी परेशानी से तंग आकर उसने ट्रेन के आगे छलांग लगा दी। वह दो बच्चों का पिता था। उसकी मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इस संबंध में 174 के तहत कार्रवाई की गई है।

बहादुरगढ़ में बाजार रहे बंद, नफे सिंह के हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग

पूर्व विधायक की हत्या के डेढ़ महीने बाद भी पुलिस के हाथ खाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

पूर्व विधायक नफे सिंह राठी के हत्यारों व साजिशकर्ताओं की गिरफ्तारी की मांग को लेकर वीरवार को शहर के मुख्य बाजार पूरी तरह बंद रहे।

■ सीबीआई ने अब तक शुरू नहीं की जांच

नफे सिंह के परिजनों व समर्थकों ने स भी दुकानदारों से सुबह 9 बजे से 1 बजे तक अपने प्रतिष्ठान बंद रखने का आह्वान किया था। वीरवार को इसका असर भी देखने को मिला। बंद के दौरान नफे सिंह के परिजनों व समर्थकों ने रेलवे स्टेशन से नक्कार खाने तक काली पट्टियां बांधकर रोष प्रदर्शन किया। पुलिस से आरोपियों की गिरफ्तारी करने और सीबीआई जांच शुरू करने की मांग बुलंद की।

बहादुरगढ़। बाजार से गुजरता नफे सिंह राठी के परिजनों व समर्थकों का हुजूम।

25 फरवरी को नफे सिंह राठी और उनके साथी जयकिशन दलाल की बेरहमी से हत्या के 53 दिन बाद भी उनके असल हत्यारे और साजिशकर्ता पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। इसके विरोध में वीरवार को राठी के परिजन और समर्थक रेलवे स्टेशन के निकट एकत्रित हुए।

उनके हाथों में नफे सिंह राठी को न्याय दिलवाने की मांग से जुड़ी तख्तियां थी और बाजू पर रोष स्वरूप काली पट्टियां बंधी थी। यह हुजूम रेलवे रोड, काठमंडी, लाल चौक, दिल्ली रोहतक रोड, मेन बाजार, कमेटी चौक, पुरानी सब्जी मंडी, सुभाष चौक व गांधी चौक होते हुए नक्कारखाने तक पहुंचा। इस दौरान बाजारों की दुकान बंद रही।

न्याय दिलाने की मांग जोर-शोर से उठाई

नफे सिंह के भतीजे कपूर राठी और पुत्र जितेंद्र राठी ने भाजपा सरकार पर हत्यारोपियों को बचाने का आरोप लगाया। उनके अनुसार सरकार की शह पर नामजद आरोपियों पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई। दोनों मुख्य शूटर और हत्याकांड के सूत्रधार फरार हैं। हत्या की असल वजह, कॉन्ट्रेक्ट किलिंग के लिए दी गई रकम और साजिशकर्ताओं का खुलासा तक पुलिस नहीं कर पाई है। सरकार के दावों के बावजूद अभी तक सीबीआई ने भी मामले की जांच शुरू नहीं की है। परिजनों समेत इनेलो नेताओं ने इस स्वैच्छिक बाजार बंद में सहयोग देने के लिए बहादुरगढ़ के दुकानदारों व सभी व्यापारियों का आभार जताया। इस दौरान शीला नफे सिंह राठी, पार्षद प्रीति भूपेंद्र राठी के साथ पार्षद बिजेंद दलाल, कुलदीप राठी, रजनीश मोनू, विशाल गर्ग, विनोद जांगड़ा, संजीव मलिक, रमन यादव, मोहित राठी, ज्योति नरेंद्र राठी के साथ प्रदीप सिन्हा, जयभगवान पहलवान, रामनिवास सैनी, नीलम ढिल्लो, सीमा दलाल, निर्मला स्वामी, अनिल मदान व पप्पू कानोंदा आदि हजारों लोगों ने नफे सिंह राठी व जयकिशन दलाल को न्याय दिलाने की मांग जोर-शोर से उठाई।

डीसी ने सिविल सर्विस परीक्षा में सफल हुए जिले के अभ्यार्थियों से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

यूपीएससी द्वारा घोषित किए गए सिविल सर्विस परीक्षा परिणाम में जिला झज्जर से चयनित अभ्यर्थियों से डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने मुलाकात करते हुए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिले के सात अभ्यार्थियों का सिविल सेवा में चयन हुआ है। जिसमें से तीन लड़कियां हैं। डीसी ने कहा कि जिला झज्जर के लिए यह बेहद गौरव का विषय है कि सामान्य पृष्ठभूमि वाले अभ्यर्थियों ने प्रतिष्ठित अखिल भारतीय सिविल सर्विस परीक्षा उतीर्ण करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि सिविल सर्वेंट सरकार की नीतियों को बेहतरीन ढंग से लागू करते हुए लोगों के चेहरों पर खुशी ला सकते हैं। उन्होंने अभिभावकों को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि अभिभावकों के लिए भी बड़ी सफलता है क्योंकि तैयारी के इस सफर में अभिभावकों का अहम रोल होता है। उन्होंने अभ्यर्थियों के साथ अपने अनुभव भी साझा किए। इस दौरान सफल अभ्यर्थियों ने परीक्षा की तैयारी के दौरान के अपने अनुभव साझा किए।

■ जिले के सात अभ्यार्थियों का सिविल सेवा में हुआ है चयन

झज्जर। सिविल सर्विस परीक्षा में उतीर्ण युवाओं से बातचीत करते हुए डीसी कैप्टन शक्ति सिंह।

शिवांश व अभिलाष का किया अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

यूपीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले शिवांश राठी और अभिलाष सुंदरम का वरिष्ठ भाजपा नेता शतीश नंबरदार के कार्यालय पर अभिनंदन किया गया। नंबरदार ने यूपीएससी की परीक्षा में 63वां रैंक हासिल करने वाले शिवांश राठी तथा 421 वां रैंक हासिल करने वाले अभिलाष सुंदरम का गुलदस्ता देकर व लोई ओढ़ाकर स्वागत व सम्मान किया।

■ वरिष्ठ भाजपा नेता शतीश नंबरदार के कार्यालय पर अभिनंदन किया गया

कार्यक्रम में पूर्व विधायक नरेश कौशिक ने शिवांश राठी व अभिलाष सुंदरम का अभिनंदन करते हुए राष्ट्रसेवा करने का आशीर्वाद दिया। चेयरपर्सन सरोज रमेश राठी, वाइस चेयरमैन पालेराम शर्मा, तेजपाल राठी, एडवोकेट गौरव राठी, विक्की राठी, पार्षद प्रवीण सोनू, पवन रोहिल्ला व पवन छिल्लर आदि ने दोनों को आशीर्वाद दिया।

नंबरदार ने शिवांश के पिता रविंद्र राठी तथा अभिलाष के पिता एस. श्याम का भी स्वागत व सम्मान किया। उनके अनुसार इस कामयाबी के लिए बच्चों के साथ परिजन भी बधाई के पात्र हैं। कार्यक्रम में प्रवीण सिंगला, पवन रोहिल्ला, रामेहर, दर्शन सैनी, सुरेंद्र दलाल, मनोज राठी, नरेंद्र शर्मा, ओमकार कुलासी, सुरेश शर्मा, जयभगवान नंबरदार, संजय परनाला व जिंदर आदि मौजूद रहे।

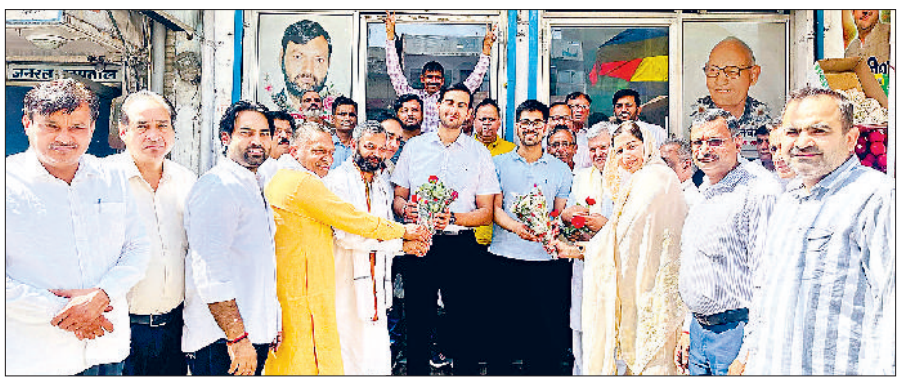

बहादुरगढ़। शिवांश राठी व अभिलाष सुंदरम का अभिनंदन करते शतीश नंबरदार व अन्य। फोटो : हरिभूमि

किर्गिस्तान में दम दिखाएंगे जिले के चार पहलवान

मनीष कुमार ▶▶ बहादुरगढ़

पेरिस ओलंपिक के कुछ ही महीने बाकी रह गए हैं। इसलिए सभी देश तैयारियों में जुटे हैं। ओलंपिक के लिए कुश्ती के क्वालीफायर राउंड भी चल रहे हैं। इसी कड़ी में 19 से 21 अप्रैल तक किर्गिस्तान के बिश्केक में ए शि य न ओ लं पि क क्वा ली फा य र टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। इस टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए भारतीय दल बिश्केक पहुंच चुका है। इस भारतीय दल में झज्जर जिले के भी चार पहलवान शामिल हैं। खेल प्रेमियों ने विश्वास जताया है कि ये चारों जीत दर्ज कर ओलंपिक कोटा हासिल करेंगे।

■ टूर्नामेंट में जीत दर्ज कर ओलंपिक कोटा हासिल करने का प्रयास करेंगे, सुमित, अमन, दीपक और विकास

अमन

दीपक

सुमित

विकास

भारतीय दल में झज्जर जिले से 57 केजी फ्री स्टाइल में अमन सहरावत, 86 केजी फ्री स्टाइल में ओलंपियन दीपक पूनिया, 60 केजी ग्रीको रोमन में सुमित दलाल तो 77 केजी में विकास दलाल शामिल है। अमन झज्जर जिले के गांव बिरोहड़ से है। करीब 20 वर्षीय यह पहलवान बेहद प्रतिभाशाली है। एशियन चैंपियनशिप में मेडल जीत चुका है। जब भी विदेश जाता है तो खाली हाथ नहीं लौटता। वहीं, ओलंपियन दीपक पूनिया गांव छारा से है। पूरी दुनिया दीपक के दमखम को देख चुकी है। वहीं सुमित और विकास पहलवान गांव मांडोठी के रहने वाले हैं। सुमित हिंद केसरी सोनू अखाड़े में अर्जुन अवॉर्डी धर्मेंद्र से प्रशिक्षण लेता है। जबकि विकास रोहतक में प्रशिक्षण ले रहा है। दोनों ही बेहद प्रतिभावान हैं। ये चारों शुक्रवार से रविवार तक किर्गिस्तान में आयोजित ओलंपिक क्वालीफायर टूर्नामेंट में दमखम दिखाएंगे। शुक्रवार को अमन और दीपक तो रविवार को विकास तथा सुमित के मुकाबले होंगे। इन सभी से पदक की उम्मीदें हैं। कोच धर्मेंद्र पहलवान सहित अन्य कुश्ती प्रेमियों का कहना है कि चारों पहलवान बेहद होनहार हैं। लगातार मेडल जीत रहे हैं। हमें पूरा यकीन है कि एशियन क्वालीफायर में जीत दर्ज कर ये ओलंपिक का टिकट पक्का कर लेंगे।

दुबई में फंसे दीपक और सुजीत

पेरिस ओलंपिक के लिए शुक्रवार से किर्गिस्तान में एशियन ओलंपिक क्वालीफायर टूर्नामेंट शुरू हो रहा है। भारतीय दल के लगभग सभी पहलवान किर्गिस्तान के बश्केक पहुंच गए हैं लेकिन ओलंपियन दीपक पूनिया और पहलवान सुजीत कलकल दुबई में फंसे हुए हैं। दरअसल, ये दोनों पहलवान ट्रेनिंग के लिए रशिया गए हुए थे। ओलंपिक क्वालीफायर के लिए इन्हें दुबई के रास्ते बश्केक जाना था। इसी दौरान दुबई में भारी बारिश के कारण फंस गए और वहां फिलहाल सभी उड़ान रद्द हैं। शुक्रवार को वजन के बाद मुकाबले शुरू होने हैं लेकिन वीरवार रात तक दोनों दुबई एयरपोर्ट पर थे। इस वजह से न केवल दोनों पहलवान बल्कि उनके परिजन भी चिंतित हैं। हालांकि स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की मानें तो दुबई के ऑफिशियल्स लगातार दोनों पहलवानों के संपर्क में है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले दोनों को बश्केक पहुंचाने की बात कही गई है। उम्मीद है, दोनों समय पर पहुंचकर कुश्ती खेलेंगे और जीतेंगे।

शहर के सीताराम गेट क्षेत्र में करीब पखवाड़े भर पूर्व उखाड़ी गई थी सड़क

सड़क उखाड़ने के बाद निर्माण करना भूला विभाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

शहर के सीताराम गेट क्षेत्र में निर्माण के लिए उखाड़ी गई सड़क लोगों के लिए परेशानियों का कारण बनी हुई है। कारण यह है कि सड़क उखाड़ने के करीब पंद्रह दिन बीत जाने के बाद भी सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। जिसके कारण जहां मौहल्ला निवासी परेशान है, वहीं वाहन चालकों व राहगीरों को भी काफी परेशानी हो रही है। सड़क के बीचों-बीच खुले सीवरेज के मेनहॉल रात के समय दुर्घटना का कारण भी बन सकते है। परेशान लोगों का कहना है कि अगर जल्द समस्या का समाधान नहीं किया जाता है तो सीएम विंडो पर शिकायत की जाएगी।

झज्जर। सीताराम गेट क्षेत्र में उखड़ी हुई सड़क।

स्कूली विद्यार्थियों को हो रही ज्यादा परेशानी

अभिभावक मनोज, मोनिका, हेमंत ने बताया कि इस सड़क का निर्माण नहीं होने के कारण दूसरे रास्ते से जाना पड़ रहा है। जिसके कारण कई दफा स्कूल बस भी छूट जाती है। जिसके कारण परेशानी हो रही है। वहीं लोगों का कहना है कि सीवरेज के मेनहॉल खुले होने के कारण रात के समय गौवंश के गिर जाने का भी खतरा बना रहता है। इसके अलावा सड़क निर्माण के दौरान घरों के बाहर बनाए गए चबूतरे भी तोड़ दिए गए है। जिसके कारण घरों के अंदर प्रवेश करने में परेशानी हो रही है।

जल्द पूरा करवाया जाएगा निर्माण कार्य

वार्ड नंबर तीन से पार्षद मीना देवी का कहना है कि सीवरेज व पानी की पाईप लाईन रिपेयरिंग नहीं होने के कारण सड़क निर्माण में देरी हुई है। अधिकांश रिपेयरिंग का कार्य पूरा करवा दिया गया है। प्रयास यहीं है कि एक से दो दिनों के अंदर सड़क निर्माण कार्य पूरा करवा दिया जाएगा।

विशेषः विश्व पेंगुइन दिवस, 25 अप्रैल

कुशल तैराक और गोताखोर पक्षी पेंगुइन

बच्चों के लिए पेंगुइन बहुत ही अनूठा पक्षी है। यह उड़ नहीं सकता लेकिन पानी में बहुत ही कुशलता से तैरना और गोता लगाना जानता है। इसकी चाल और अजीबो-गरीब आवाज हर किसी को लुभाती है। पेंगुइन की और कौन-सी बातें हैं, जो इस पक्षी को अनूठा बनाती हैं, जानो।

जंतु जगत
शिखर चंद जैन

पेंगुइन की गिनती दुनिया के सुंदर और अनूठे पक्षियों में होती है। इसके पंख नहीं, फ्लिपर्स होते हैं, जो कुछ-कुछ हमारे हाथों जैसे काम करते हैं। ये फ्लिपर्स कैटवॉक करने में इनकी मदद करते हैं, साथ ही शरीर का संतुलन बनाए रखते हैं। बच्चों, जानो पेंगुइन से जुड़ी और भी बातें-

होती हैं कई प्रजातियांः पेंगुइन की कई प्रजातियां होती हैं। हाल ही में अंटार्कटिका में एक बेहद दुर्लभ किस्म का सफेद पेंगुइन देखा गया। इस पेंगुइन को शुरू-शुरू में जीव वैज्ञानिकों ने जब देखा था तो इसे एक अजीब बत्तख का नाम दिया था। कुछ ने इन्हें मैगेलेनिक पेंगुइन का नाम दिया था।

शानदार तैराक : पेंगुइन पक्षी उड़ते नहीं बल्कि चलते और तैरते हैं। ये बर्फ पर पेट के बल फिसलते हुए अठखेलियां भी करते हैं। पेंगुइन पानी में तैरने से पहले हवा में ऊंची छलांग लगाते हैं। कई प्रजातियों के पेंगुइन तो हवा में 6 से 9 फीट तक की छलांग लगा सकते हैं। इससे इनके पंखों में जो हवा के बुलबुले होते हैं, वे निकल जाते हैं, पानी में तैरने की गति बढ़ जाती है। इनमें सबसे तेज तैराक गेंटुस पेंगुइन होते हैं, जो प्रति घंटे 20 मील तक तैर सकते हैं, जबकि आमतौर पर अन्य प्रजातियों के पेंगुइन की पानी में तैरने की गति 10 मील प्रति घंटे होती है।

कुशल गोताखोरः ज्यादातर पक्षियों में उड़ने की क्षमता होती है, क्योंकि इनकी हड्डियां खोखली होती हैं। वहीं पेंगुइन की हड्डियां ठोस और भारी होती हैं, इसलिए ये गहराई में गोता लगाने में भी सक्षम होते हैं। ऑस्ट्रेलियन अंटार्कटिक विभाग के वैज्ञानिकों ने अपने रिकॉर्ड में एंपरर प्रजाति के पेंगुइन को 1850 फीट की गहराई तक गोता लगाते हुए भी देखा है। पेंगुइन पानी के भीतर 15 से 22 मिनट तक रह सकता है।

छिपने की कुदरती क्षमताः पेंगुइन की पीठ पर काला रंग उनके समुद्र के भीतर छुपने में मददगार साबित होता है। जबकि सफेद पेट की वजह से इन्हें नीचे की तरफ देखना आसान होता है। काली पीठ इन्हें लेपर्ड सील जैसे शत्रुओं से बचाती है, जबकि इन्हें अपने शिकार जैसे मछली, स्क्विड, केकड़ों आदि से भी इन्हें छुपाती है। इससे इन्हें अपना शिकार करना आसान हो जाता है।

खारा पानी पीने में सक्षमः पेंगुइन आमतौर पर प्यास लगने पर ग्लेशियरों से पिघला हुआ बर्फीला पानी या झरनों का पानी पीना पसंद करते हैं। लेकिन ये समुद्र का खारा पानी भी आसानी से पी सकते हैं।

रहते हैं झुंड मेंः पेंगुइन कई बार दर्जनों या सैकड़ों नहीं बल्कि कभी-कभी तो हजारों की संख्या में एक साथ रहते हैं। वैज्ञानिक कई बार तो इनकी कॉलोनी या सामूहिक निवास का पता अंतरिक्ष से भी लगा लेते हैं, ऐसा इनकी काले रंग की बीट के कारण होता है। 2018 में वैज्ञानिकों ने एक द्वीप पर 1.5 मिलियन सदस्य संख्या वाली पेंगुइन की कॉलोनी का पता इसी तरह लगाया था। *

बदलते हैं आवरण

बच्चों, जैसे सांप कुछ समय बाद अपनी केंचुली (त्वचा का आवरण) बदलता है, वैसे ही पेंगुइन का भी साल में एक बार रिनोवेशन हो जाता है। यानी उनके सारे पंख झड़कर दोबारा नए चमकदार पंख आ जाते हैं। इसमें दो से तीन हफ्ते का समय लगता है। पेंगुइन के दांत नहीं होते हैं, इसकी बजाय उनके मुंह में हमारे मसूड़े की तरह के मांसल स्पाइन होते हैं, जिनकी मदद से यह मछलियों को निगलते हैं। बच्चों, कुछ पेंगुइन प्रजातियां जो लुप्तप्राय हो चुकी हैं, वे 5 फुट से भी ज्यादा लंबाई की होती थीं। हाल ही में मिले जीवाश्म से पता चलता है कि कभी पेंगुइन सीधे खड़े होने पर 5 फुट 10 इंच लंबे इंसान के बराबर तक होते थे।

अनोखी है किताबों की दुनिया

विश्व पुस्तक दिवस / सरस्वती रमेश

किताबों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। ये ज्ञान का भंडार होती हैं। किताबें हमें अनेकानेक विषयों की गहन जानकारी देकर हमारे ज्ञान को बढ़ाती हैं। इसलिए लोगों में पढ़ने की रुचि जगाने के लिए यूनेस्को ने 1995 में विश्व पुस्तक दिवस मनाने की घोषणा की। तब से हर साल यह 23 अप्रैल को मनाया जाता है। बच्चों, आओ जानते हैं, किताबों का हमारे जीवन में क्या महत्व है।

किताबों का महत्व : किताबों से मिले ज्ञान से बड़ा से बड़ा काम किया जा सकता है। किताबें पढ़ने से हमें संबंधित विषय की वृहत जानकारी मिलती है, जिससे रिसर्च और कोई नई खोज की जा सकती है। सिर्फ विज्ञान के क्षेत्र में नहीं, जीवन के हर क्षेत्र में किताबों से मिला ज्ञान हमारे बहुत काम आता है। डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक बनने के लिए किताबी ज्ञान की जरूरत पड़ती है। इसलिए हम सब को ज्ञान-विज्ञान से भरी किताबें जरूर पढ़नी चाहिए। साथ ही अपने दोस्तों को भी किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

मिलती हैं नई जानकारियां : किताबों की दुनिया अद्भुत और अनोखी होती है। विज्ञान, इतिहास, भूगोल के साथ अन्य विषयों की जानकारी मिलती है। किताबें पढ़ने से नई-नई जानकारियां मिलती हैं। नई तकनीक पता चलती है। किताबों में महान लोगों के अच्छे विचार पढ़कर जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। किताबें पढ़कर हमें मुश्किल हालात से निकलने के रास्ते भी मिलते हैं। किताबों मे सिर्फ ज्ञान की बातें ही नहीं, किस्से-कहानियां भी होती हैं, जो हमारा मनोरंजन तो करती ही हैं, हमें अच्छी सीख भी देती हैं।

कॉमिक्स और पत्रिकाएं: किताबों और पत्र-पत्रिकाओं ने हमें अनेक प्रेरक नायक दिए हैं। कॉमिक्स में ऐसे कैरेक्टर दिए हैं, जो हमें साहसी बनाते हैं। ऐसे भी कैरेक्टर से हमारा परिचय हुआ, जो हमें हंसाते हैं। हंसी-हंसी में बहुत कुछ सिखा भी जाते हैं। इसी तरह बच्चों को अपने लिए निकलने वाली पत्रिकाएं पढ़कर भी बहुत कुछ सीखने-जानने का अवसर मिलता है।

शेयर करके पढ़ें किताबें: हम बहुत सारी किताबें एक साथ खरीदकर नहीं पढ़ सकते, इसलिए किताबें एक-दूसरे से शेयर करके पढ़ें। इससे हमें विविध विषयों पर किताबें पढ़ने को मिल जाएंगी। मिल-बैठकर पढ़ने या किताबें शेयर करके पढ़ने से सभी दोस्तों को अधिक से अधिक विषयों पर किताबें पढ़ने को मिल जाएंगी। साथ ही किताबों के किस्से-कहानियों से मिली सीख को अपने जीवन में उतारकर हम तमाम तरह की मुश्किलों से बच सकते हैं।

सबसे अच्छी दोस्त: किताबों को इंसान का सबसे अच्छा दोस्त कहा जाता है, क्योंकि ये हमारा ज्ञानवर्धन करके हमें पग-पग पर सही राह दिखाती हैं, सफलता का मार्ग प्रशस्त करती हैं। जिस तरह भोजन हमारे शरीर के विकास के लिए जरूरी है, उसी तरह हमारे मानसिक विकास के लिए किताबें बहुत जरूरी हैं। किताबें हमारे सोचने-समझने की क्षमता को बढ़ाती हैं। अच्छे-बुरे का भेद बताती हैं। जब हम किसी बात से परेशान होते हैं तो ये किताबें ही होती हैं, जो तरह-तरह के किस्सों से हमारा मन बहलाती हैं। इतना ही नहीं, किताबों में हमारी परेशानियों और समस्याओं का हल भी मिलता है। तो बच्चों, इस तरह किताबें हैं ना हमारी सबसे अच्छी दोस्त! *

जीके क्विज-100

1. हाल ही में पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली एक मात्र महिला भारतीय वेटलिफ्टर कौन हैं?
2. राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस कब मनाया जाता है?
3. पिछले दिनों भारतीय वायुसेना ने कौन-सा 10 दिवसीय मेगा युद्धाभ्यास किया?
4. हाल ही में ज्यूडिथ सुमिनवा किस अफ्रीकी देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं?
5. मध्य प्रदेश के राज्यपाल का क्या नाम है?
6. तेहरान किस देश की राजधानी है?
7. सौरमंडल का सबसे गर्म ग्रह कौन-सा है?
8. किस गैस को 'लाफिंग गैस' भी कहा जाता है?
9. पक्षियों का अध्ययन विज्ञान की किस शाखा में किया जाता है?
10. 'आईन-ए-अकबरी' पुस्तक किसने लिखी थी?

बच्चों, जीके क्विज-100 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज 99 का सही उत्तर : 1. आयरलैंड, 2. क्रिस्टीना पिस्जकोवा (चेक रिपब्लिक), 3. सामवेद, 4. कल्हण, 5. आर.के. शंमुखम शेट्टी, 6. 22 अप्रैल, 7. कार्ल लैंडस्टीनर, 8. विशाखापत्तनम,9. जिनेवा (स्विट्जरलैंड), 10. एस. सोमनाथ

जीके क्विज 99 का सही उत्तर भेजने वाले : येणु-धमतरी, सरबजीत-करनाल, तृषा-रायपुर, कबीर-हिसार, हर्ष-भिवानी, नमिता-जांजगीर, तानिया पटेल-धमतरी, गोपाल-दुर्ग, प्रियांशु-जींद, आस्था-भोपाल, प्रिंस-जबलपुर

हंसगुल्ले

चिंटू : तुम हमेशा अपनी जेब में नीबू क्यों रखते हो?
मिंटू : दुश्मनों के 'दांत खट्टे' करने के लिए।
-रोशनी, भोपाल

टीचर : मोबाइल की खोज किसने की?
नैंसी : सर, मेरी मम्मी ने।
टीचर : क्या ..!
नैंसी : सर, कल मेरे पापा का मोबाइल नहीं मिल रहा था, मम्मी ने ही खोजकर उनको दिया था।
-आयुष, कोंडागांव

मम्मी : दूध को खराब होने से बचाने के लिए क्या उपाय करना चाहिए?
नव्या : इसे पी लेना चाहिए।
-अदिति, रोहतक

रोहन : तुम्हें पता है, बूंद-बूंद से ही सागर बनता है।
सोहन : (होंठों पर जीभ फिराते हुए) और बूंदी-बूंदी से लड्डू।
-मनन, दुर्ग

विशेषः पृथ्वी दिवस, 22 अप्रैल

कहानी
अंजना मनोज गर्ग

भोलू अपने पापा-मम्मी के साथ शहर में बने नए पार्क में घूमने गया। वहां मजे से टहला। थक कर जब वह पार्क की हरी घास पर बैठा तो घास ने उसे डांट दिया। घास ने ही नहीं डांटा, पेड़-पौधों और यहां तक कि झील के पानी ने भी डांटा। आखिर इन सब ने भोलू को डांटा क्यों?

भोलू का अपना घर

भोलू बहुत खुश था। उसके पापा ने उससे प्रॉमिस किया था कि कल संडे को वह उसे शहर में बना नया पार्क दिखाने ले जाएंगे। आज वह मम्मी से पैसे लेकर खूब सारी टॉफियां, चॉकलेट और चिप्स के पैकेट खरीद लाया ताकि वहां पार्क में घूम-घूम कर खा सके, फुल एंज्वॉय करे। कल सुबह पार्क में जाने के लिए उसने पूरी तैयारी कर ली। रात वह जल्दी सो गया, क्योंकि पार्क जाने के लिए सुबह-सुबह घर से जल्दी निकलना था।

अगले दिन संडे को भोलू, पापा-मम्मी के साथ पार्क में था। वहां सब कुछ बहुत ही लुभावना था। पार्क के चारों तरफ फूलों से लदे पौधे, घनी शाखाओं वाले बड़े-बड़े वृक्ष लगे हुए थे। पूरे पार्क में नरम, मुलायम घास उगी हुई थी। वहां लगे झूलों में बड़े मजे से बच्चे झूल रहे थे। पार्क में एक छोटी-सी झील भी थी, जिसमें लोग बोटिंग कर रहे थे। भोलू को वहां बहुत मजा आ रहा था।

पापा के साथ पार्क घूमते हुए भोलू ने चॉकलेट निकाली और उसे खाकर उसका खाली रैपर वहीं पौधों के नीचे डाल दिया। यह देख पापा ने उसे टोका, 'नहीं भोलू बेटा, ऐसे कचरा नहीं फैलाते। तुम इस खाली रैपर को अपनी जेब में रख लो। बाद में जहां तुम्हें डस्टबिन दिखे, उसमें डाल देना।'

'अरे पापा, यह कोई अपना घर है क्या? आप बेकार ही परेशान हो रहे हैं।' भोलू ने लापरवाही से जवाब दिया। कुछ देर बाद वह झील के पास पहुंचा, वहीं एक किनारे बैठकर उसने चटपटे नमकीन का पैकेट निकाला और खाकर उसका रैपर जमीन पर फेंक दिया। पापा ने फिर टोका तो उसने वही शब्द दोहरा दिए, 'क्या पापा, यह कोई अपना घर है क्या?' भोलू पूरे पार्क में जी भर के घूमा। उसने जहां-तहां कचरा फैला दिया। थक कर वह ज्यों ही एक जगह नरम घास पर बैठा, त्यों ही उसे जोर से कुछ चुभा। उसने देखा, घास नुकीली होकर चुभ रही है। घास गुस्से से बोली, 'तुम्हारा घर है क्या, जो यहां बैठ रहे हो?'

भोलू घबराया-सा झील की तरफ भागा। वहां बैठना चाहा तो झील का पानी गुस्साया, 'खबरदार! जो यहां बैठे, तुम्हारा घर है क्या?' भयभीत भोलू ने जब एक पेड़ के नीचे खड़ा होना चाहा तो पेड़ ने भी गुस्से में अपनी लंबी शाखाओं से उसे दूर झटक दिया और बोला, 'यहां क्यों खड़े हो, यह तुम्हारा घर है क्या? भागो यहां से।'

भोलू को महसूस हुआ जैसे पूरा पार्क, झील, पेड़-पौधे, घास सभी चिल्ला कर उससे कह रहे हैं, 'यह तुम्हारा घर है क्या? यह पार्क तुम्हारा घर है क्या?'

तभी मम्मी भोलू के कमरे में आईं। उन्होंने देखा वह नींद में भी बड़बड़ा रहा था, 'यह तुम्हारा घर है क्या.. यह तुम्हारा घर है क्या...?'

मम्मी ने झिंझोड़ कर भोलू को जगाया, 'क्या हुआ बेटा, कोई सपना देख रहे हो क्या?'

भोलू ने उठकर अपनी मम्मी को सपने की पूरी बात बताई। उसने मम्मी से पूछा, 'पार्क में सभी पेड़-पौधे बार-बार क्यों कह रहे थे कि यह पार्क तुम्हारा घर है क्या?'

मम्मी ने डरे हुए भोलू के सिर पर प्यार से हाथ फेरा और बोलीं, 'बेटा, जब तुमने चॉकलेट और दूसरे खाली रैपर वहीं पार्क में फेंक दिए और कहा कि यह कौन-सा मेरा घर है। बस वही बात पलट कर पेड़-पौधों ने तुमसे कही, यह तुम्हारा घर है क्या? बेटा तुम पार्क इसीलिए गए थे कि वहां अच्छा लगेगा। लेकिन तुम वहां गंदगी फैला रहे थे। यह भी बोल रहे थे, क्या अपना घर है क्या? यह कौन-सी बात हुई, अपना घर साफ रखो और बाहर सब जगह गंदगी फैलाओ। बेटा क्या पृथ्वी के पेड़-पौधे और घास की हरियाली अपनी नहीं है? तुम पार्क को सार्वजनिक स्थल मानकर पराया समझ कर वहां गंदगी फैला रहे थे। इसलिए ही तो वहां पेड़-पौधों, झील, घास सबको तुम्हारे ऊपर गुस्सा आया कि जब यह पार्क तुम्हारा घर नहीं है तो तुम यहां सैर या आराम कैसे कर सकते हो?'

भोलू को मम्मी की बात बहुत अच्छी तरह समझ में आ गई थी। वह बोला, 'मम्मी, आप सही कह रही हैं। मैंने कितनी बड़ी गलती की। आज जब आप लोगों के साथ पार्क जाऊंगा, तो कचरे के लिए एक थैली भी साथ ले जाऊंगा। सारा कचरा उस थैली में भर लूंगा, पार्क में बिल्कुल भी गंदगी नहीं फैलाऊंगा। वह भी तो मेरा ही घर है ना। पार्क क्या, पूरी पृथ्वी हमारे घर जैसी है। इसे साफ-सुथरा रखना हमारी जिम्मेदारी है।'

मम्मी को इस बात की खुशी हुई कि भोलू को बात समझ में आ गई है कि पूरी पृथ्वी उसके अपने घर के समान है, उसे स्वच्छ रखना उसकी जिम्मेदारी है। *

कविता
दिनेश विजयवर्गीय

हम सबकी हैं जान किताबें

जन-मन की पसंद किताबें
ज्ञान का भंडार किताबें।
शब्दों का संसार यह रचती
शब्दों का है मान किताबें।
जीवन में उजियारा लाती
होती ज्ञानी गुणी किताबें।
सदा मित्र-सा साथ निभाती
जीवन मुस्काती खूब किताबें।
छोड़ मोबाइल पढ़ें किताबें
देती ऐसा संदेश किताबें।
जीवन को आनंदित करती
मनोरंजन की शान किताबें।
रंग-बिरंगी चित्रों वाली
बच्चों के मन भाए किताबें।
पुस्तक मेलों में मन मुस्काती
हम सबकी है जान किताबें

रंग भरो-148

रंग भरो-148 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

पलक, धमतरी

यशिका, बिलासपुर

सुयश, बिलासपुर

लक्षित, रोहतक

कल्पित, रोहतक

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

दिव्यांशी-भिलाई, अथर्व-बिलासपुर, राजन-हिसार, नाज-दिल्ली, मनीष-अंबिकापुर, धीरज-महेंद्रगढ़, यश-बालोदा बाजार, पूनम-जींद, अमित-कांकेर, अस्मिता-कटनी, राकेश-दुर्ग, रति-धमतरी, अंकित-भोपाल, दिवाकर-करनाल, रानी-कोरिया

भावन्या, भिलाई

रंग भरो 149

बच्चों, पृथ्वी दिवस के अवसर पर एक बच्चा पेड़ के पास बैठकर, पृथ्वी और पर्यावरण में उसके योगदान के लिए 'थैंक यू' बोल रहा है। इस प्यारी-सी तस्वीर को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक- फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

चित्र पूरा करो

बच्चों, यहां एक अधूरा चित्र और उसके बगल में चार कटआउट्स दिए गए हैं। तुमको इन कटआउट्स को सही जगह लगाकर चित्र पूरा करना है।

उत्तर : 1.D, 2.C, 3.A, 4.B

खबर संक्षेप

पानीपत में आज सुनी जाएंगी बिजली समस्याएं

झज्जर। अधीक्षण अभियंता यशवीर सिंह ने बताया कि उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा बिजली संबंधी समस्याओं के समाधान को लेकर उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की शुक्रवार को पानीपत में होगी। जिसमें झज्जर जिला के बिजली उपभोक्ताओं को भी आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि जिसमें बिजली चोरी को छोड़कर, बिजली एवं बिजली के बिलों संबंधित समस्याएं सुनी जाएंगी।

पंचायती धर्मशाला में जागरण एवं भंडारा कल

झज्जर। जय बाबा लखदातार मित्र मंडल द्वारा सीताराम गेट स्थित पंचायती धर्मशाला में शनिवार को श्रीश्याम महोत्सव एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंडल प्रधान मुकेश ने बताया कि एक शाम लखदातार के नाम शीर्षक से किया जाने वाला यह उनका चौथा श्याम महोत्सव है। शाम करीब साढे. बजे से शुरू होने वाले इस महोत्सव में रोहित कटारिया, हेमंत नंदा, अमित रेवाड़ी, नीलम दीदी वृंदावन, यनिक सैनी चंडीगढ़, भारत खुराना नारनौल आदि गायक कलाकार अपने मधुर भजनों द्वारा प्रभु श्रीश्याम की महिमा का गुणगान करेंगे। मंडल सदस्य धोलू सैनी ने बताया कि इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए लक्की ड्रा भी निकाला जाएगा।

शिक्षकों को एमर्जिंग टेक्नोलॉजी के लिए किया प्रेरित

रोहतक। वर्तमान दौर डिजिटल टीचिंग-लर्निंग का है। जरूरत है कि शिक्षक डिजिटल टीचिंग-लर्निंग में महारत हासिल करें और विद्यार्थियों को डिजिटल भविष्य के लिए तैयार करके सफल होने में अपनी महती भूमिका निभाएं। यह उद्गार महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन्ज विभाग के अध्यक्ष प्रो. नसीब सिंह गिल ने द नेशनल कॉलेज, बेंगलुरू द्वारा संचालित छह दिवसीय राष्ट्र स्तरीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में बतौर मुख्य वक्ता संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

फसल अवशेष जलाने पर लगाई गई रोक

रोहतक। जिलाधीश अजय कुमार ने अपराध प्रक्रिया नियमावली 1973 की धारा 144 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पर्यावरण संरक्षित रखने तथा वायु प्रदूषण से बचाव के दृष्टिगत जिला में गेहूं व अन्य फसलों के खेतों में अवशेष जलाने पर पूरी तरह पाबंदी लगाई गई है। जिलाधीश द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि किसानों द्वारा खेतों में फसल अवशेष जलाने से वायु प्रदूषण होता है, जिससे निकलने वाली विभिन्न प्रकार की जहरीली गैसों का मनुष्य के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव होता है तथा सभी जीवों के लिए नुकसानदायक है।

हरियाणा जर्नलिस्ट की जिला कार्यकारिणी गठित

रोहतक। हरियाणा यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट ने अपनी जिला कार्यकारिणी का गठन किया है। यूनियन के जिलाध्यक्ष मनोज वर्मा ने प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन कथूरिया और महा सचिव इंद्रवेश, लोकेश जैन और सोमनाथ शर्मा से विचार विमर्श के बाद रोहतक के विकास सैनी, संजीव कौशिक और महेश चुघ को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। इनके साथ ही अमित भारद्वाज को महासचिव, नवीन मालिक को सहसचिव, पायल आहूजा और पायल शर्मा को सचिव बनाया गया है।

दूसरा रेंडमाइजेशन चुनाव आयोग के निर्देशानुसार किया जाएगा: डीसी

लोकसभा चुनाव को लेकर पोलिंग पार्टियों का हुआ प्रथम रेंडमाइजेशन

लोकसभा चुनाव को लेका जिला निर्वाचन आयोग की ओर से तैयारियां जोरों से चल रही हैं, चुनाव को लेकर प्रशासन सतर्क है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जिले की चारों विधानसभा के लिए गठित मतदान पार्टियों का रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में पूरी की गई।

डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कैप्टन शक्ति सिंह ने बताया कि जिले में कुल 796 पोलिंग बूथ हैं। चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशानुसार रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया का पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि अब चुनाव आयोग के निर्देशानुसार दूसरा रेंडमाइजेशन भी किया जाएगा। रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाती है। उन्होंने बताया अब ईवीएम एवं वीवीपैट का रेंडमाइजेशन का कार्य आगामी 25 अप्रैल को किया जाएगा।

झज्जर। रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया के दौरान मौजूद जिला निर्वाचन अधिकारी कैप्टन शक्ति सिंह। फोटो: हरिभूमि

झज्जर। चुनाव की तैयारियों का जायजा लेते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी कैप्टन शक्ति सिंह। फोटो: हरिभूमि

टर्निंग-18 का अर्थ, जिम्मेदारी के साथ वोट करें नव मतदाता : मलिक

झज्जर। एआरओ एवं एसडीएम रविंद्र मलिक ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित करने और अपना वोट बनवाने के लिए टर्निंग 18 और यू आर द वन जैसे स्लोगन देकर सोशल मीडिया के जरिए एक अनूठी पहल की है। उन्होंने बताया कि टर्निंग 18 का अर्थ है कि युवा अब अपनी नई भूमिका निभाते हुए जिम्मेदारी के साथ वोट करें और अपने मनपसंद जनप्रतिनिधि को चुनें। उन्होंने बताया कि मतदाताओं की जागरूकता के लिए निर्वाचन आयोग इस बार फील्ड में ही नहीं, सोशल मीडिया पर भी सक्रिय है।

लोकसभा चुनाव में मतदान के लिए बनवाएं वोट

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कैप्टन शक्ति सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव में जिले के प्रत्येक मतदाता से मताधिकार का प्रयोग करते हुए लोकतंत्र में भागीदारी का आहवान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए मतदान से पूर्व सभी मतदाताओं को अपना नाम वोटर लिस्ट में चेक कर लेना चाहिए। जिन मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट में दर्ज हैं वही आगामी

नेहरू कॉलेज में स्थापित मतगणना केंद्र का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

लोकसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर वीरवार को डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने राजकीय नेहरू कॉलेज में बनने वाले स्ट्रांग रूम व मतगणना केंद्र के स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने एआरओ को निर्देश देते हुए कहा कि नेहरू कॉलेज से ही पोलिंग पार्टियां रवाना होंगी व यहीं पर स्ट्रांग रूम में ईवीएम को रखा जाएगा। इसके अलावा मतगणना का कार्य भी यही होगा। उन्होंने कॉलेज के विभिन्न कक्षों बारीकी से निरीक्षण करते हुए तैयारियों को परखा। उन्होंने बताया कि जिला निर्वाचन क्षेत्र के तहत चार विधानसभा क्षेत्र(बेरी, बादली, बहादुरगढ़ व झज्जर) आते हैं। इन सभी विधानसभा की ईवीएम के स्ट्रांग रूम व मतगणना के लिए सुगम व्यवस्था की जा रही है ताकि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की कोई समस्या सामने ना आए।

लोकसभा चुनाव में अपना मताधिकार का प्रयोग कर सकता है। उन्होंने कहा कि मतदान करने के लिए वोटर कार्ड होने के साथ ही मतदाता सूची में नाम दर्ज होना भी जरूरी है।

बहादुरगढ़। अभियान के दौरान हस्ताक्षर करती प्रिंसिपल व छात्राएं।

मतदान को लेकर चलाया हस्ताक्षर अभियान

बहादुरगढ़। शहर के वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय में मतदान के लिए जागरूकता के उद्देश्य से हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं व प्राध्यापिकाओं ने हस्ताक्षर करके मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया। प्राचार्या डॉ. राजवंती शर्मा ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत छात्राओं को मतदान के लिए जागरूक करने का प्रयास किया गया। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक शासन प्रणाली वाला देश है। मतदाताओं की अधिक से अधिक भागीदारी ही लोकतंत्र की सफलता का आधार है। ऐसे में हमें अपने मतदान का प्रयोग बिना किसी दबाव के अपने विवेक से ही करना चाहिए। कार्यक्रम संयोजिका कविता ने सभी का धन्यवाद किया। इस अवसर पर सुजाता वर्मा, डॉ. शालू शर्मा, डॉ. कुसुम, डॉ. नेहा ढुल, डॉ. मंजीत, प्रवेश दहिया व आशा गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

जिले में 58048.82 मीट्रिक टन गेहूं की हुई खरीद

- अब तक 20785 .24 मीट्रिक टन सरसों खरीदी गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिले में बुधवार तक 58048.82 मीट्रिक टन गेहूं व 20785.24 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई है। किसान फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करें तथा अपनी फसलों को सुखाकर व अच्छी तरह साफ करके मंडियों में लाये। बुधवार को जिला में 16543.77 मीट्रिक टन गेहूं तथा 849.12 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि बुधवार तक जिला की मंडियों व खरीद केंद्रों में 58048.82 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई। इसमें से कलानौर साइलो में अब तक 2278.19 मीट्रिक टन, किलोई में 3228.20 मीट्रिक टन, लाखनमाजरा में 2831.97 मीट्रिक टन, मदीना में 1069.70 मीट्रिक टन, महम मंडी में 6914.90 मीट्रिक टन, रोहतक मंडी में 28144.31 मीट्रिक टन, सांघी में 3917.55 मीट्रिक टन तथा सांपला मंडी में 9664 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। इसी प्रकार बुधवार तक जिला में 20785.24 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई है। इसमें से कलानौर मंडी में 6273.58 मीट्रिक टन, महम मंडी में 8220.28 मीट्रिक टन, रोहतक मंडी में 2071.80 मीट्रिक टन तथा सांपला मंडी में 4219.58 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई है।

राम जी की निकली सवारी, राम जी की लीला है न्यारी.. भजन पर भाव विभोर हुए श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

बाबा कांशीगिरी मंदिर में भजन कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पंडित पवन कौशिक, लक्ष्य वर्मा, भारत भूषण नंदा, राहुल शास्त्री, देवेश शर्मा, राजेंद्र वधवा, देवेश शर्मा, योगेश रंजन ने भजनों की प्रस्तुति दी। भजन गायक योगेश रंजन ने राजा राम आइए सीता राम आइए मेरे भोजन भोग लाइये.. मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे राम आएंगे..जन्म लिया मेरे रघुराई अवधपुरी में बहार आई है..एक तरफ लक्ष्मण एक तरफ सीता, बीच में जगत के पालनहारी,रामजी की निकली सवारी, रामजी की लीला है, न्यारी न्यारी, राजेंद्र वधवा ने मैंने अर्जी लिखदी बाबा तेरे दरबार में बस मोहर लगा दो अपनी खड़ा इंतजार में, इस अर्जी में लिखा है तू ध्यान से पड़ ले, कुछ छुट ना जाये प्रभु मेरा मान तू रख ले...देवेश शर्मा ने आओ आओ बजरंग एक बार तेरी हो रही जय जयकार, तेरा खूब सजा दरबार गए सात समुद्र पार, तेरी पूजा करे संसार.. भजन प्रस्तुत कर उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया गया। इससे पूर्व पंडित पवन कौशिक एवं भक्तों ने श्रीरामचरित मानस पाठ की चौपाइयों का सामूहिक संगीतमयी वाचन किया। इस अवसर पर वेद बहल पाशु, हिमांशु हंस, विकास नरुला, सुभाष वर्मा, सुधांशु हंस, विनोद भूटानी, अनिल छाबड़ा, भारत भूषण अग्निहोत्री, नरेंद्र पाहवा, नयन हंस, सक्षम वर्मा, रुद्र कौशिक, हेमंत हंस, शिवम तनेजा, वेद खत्री सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। बाबा कांशीगिरी मंदिर में भजनों का आनंद लेते हुए श्रद्धालु।

खिलाड़ियों ने साइकिल रैली निकाल कर लोगों को दिया मतदान करने का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

वीरवार सांय शहर के महर्षि दयानंद सरस्वती खेल स्टेडियम से मताधिकार के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए साईकिल रैली निकाली गई। एआरओ व एसडीएम रविंद्र यादव ने साईकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि 25 मई को होने वाले मतदान के लिए मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है और शिक्षण संस्थानों में जागरूकता शिविर के साथ ही विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आमजन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी मतदान जागरूकता कार्यक्रम रूपी हवन में अपनी आहूति अवश्य डालें। वे अपने परिवार ,पड़ोस और समाज में लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित करें। साईकिल रैली में लगभग 150 खिलाड़ियों ने भाग लिया है।

झज्जर। साईकिल रैली निकालकर मताधिकार के प्रति जागरूक करते हुए खिलाड़ी। फोटो: हरिभूमि

झज्जर। शैक्षिक भ्रमण के दौरान बुआ हसन के मकबरे पर मौजूद विद्यार्थी।

विश्व विरासत दिवस पर विद्यार्थियों ने किया भ्रमण

झज्जर। विश्व विरासत दिवस पर कुलदीप सिंह मैमोरियल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने क्षेत्र के एतिहासिक स्थलों का भ्रमण कर अपनी संस्कृति बारे जानकारी हासिल की। स्कूल निदेशिका कोमल सांगवान ने बताया कि इस शैक्षिक भ्रमण के दौरान शिक्षकों के साथ पहुंचे विद्यार्थियों को प्राचीन गुरुकुल का भ्रमण कराया जहां उन्होंने प्राचीन संग्राहालय का अवलोकन करते हुए वहां सहेजे गए प्राचीन सिक्कों व कलाकृतियों बारे ज्ञान बढ़ाया। इसके बाद उन्होंने बुआ हसन के ऐतिहासिक मकबरे की सैर करते हुए बुआ व हसन के अमर प्रेम व मुगलकालीन इतिहास की जानकारी हासिल की। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण बच्चों को अपनी सभ्यता संस्कृति व विरासत से जोड़े रखने के लिए बहुत आवश्यक है।

नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज द्वारा हरिपुरा बाजार स्थित जिला कार्यालय पर वीरवार को बैठक का आयोजन किया गया। स्वर्णकार समाज के जिला मीडिया प्रभारी रविंद्र सोनी ने बताया कि बैठक में मेढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के नवनियुक्त जिला प्रधान नरेश वर्मा और झज्जर तहसील प्रधान डॉक्टर सुभाष वर्मा, बादली तहसील प्रधान रविंद्र बामड़ोला, मातनहेल तहसील प्रधान पारस वर्मा का स्वागत किया गया। नवनियुक्ति पदाधिकारियों ने मुख्य संरक्षक जोगेंद्र सिंह वर्मा रोहतक, प्रदेशाध्यक्ष लखीराम सोनी, प्रदेश महामंत्री जयपाल लांबा व प्रदेश कोषाध्यक्ष राजकुमार लांबा महम सहित सभी पदाधिकारियों का आभार जताते हुए कहा कि जो जिम्मेवारी उन्हें सौंपी गई है वे उसे पूरी ईमानदारी से निभाएंगे। बैठक में जल्द ही कार्यकारिणी का विस्तार करने का फैसला भी लिया गया। वर्तमान समय में सोने-चांदी के सुबह से शाम तक बदलते भावों को ध्यान में रखते हुए स्वर्णकारों ने एकजुट होकर यह भी निर्णय लिया कि ग्राहक गहनों के लिए जितना पैसा जमा कराएगा उतनी पूंजी का भव तय होगा। ग्राहक को बकाया रकम आभूषण लेते वक्त देनी होगी। इस मौके पर ऑडिटर भूप सिंह वर्मा, ललित वर्मा, नरेश राणा, कृष्ण सिलाना, राकेश लांबा, नरेंद्र वर्मा, राकेश वर्मा, नीरज सोनी, मुकेश सोनी, साहिब वर्मा, सुरेंद्र सोनी, जयप्रकाश सेढ़ा आदि मौजूद रहे।

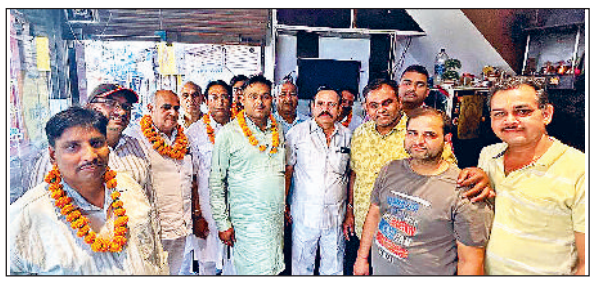

झज्जर। बैठक के दौरान एकत्रित मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज सदस्य।

झज्जर। मीटिंग लेते हुए प्राचार्या डॉक्टर तराना नेगी। फोटो: हरिभूमि

पुरस्कार वितरण को लेकर बैठक आयोजित

झज्जर। राजकीय महाविद्यालय ढुज्जाना में द्वितीय पुरस्कार वितरण समारोह को लेकर प्राचार्या डॉक्टर तराना नेगी की अध्यक्षता में पुरस्कार वितरण समिति के साथ मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग के दौरान 24 अप्रैल को पुरस्कार वितरण समारोह मनाने का निर्णय लिया गया। समारोह में शैक्षणिक, एनसीसी, एनएसएस, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इस दौरान सुनीता छिक्कारा को कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेवारी सौंपी गई। इस मौके पर नसीब सिंह, डॉक्टर अजय जून, अनिल, सुनीता व जितेंद्र सिंह सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। बैठक के दौरान मौजूद ग्रामीण चौकीदार सभा पदाधिकारी एवं सदस्य।

ग्रामीण चौकीदार सभा के प्रधान बने श्रवण कुमार

झज्जर। साल्हावास ब्लॉक में ग्रामीण चौकीदार सभा द्वारा वीरवार को खंड स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में जिला प्रधान राजेंद्र सुलोधा व महासचिव कलीराम मौजूद रहे। इस दौरान सर्वसम्मति द्वारा ब्लॉक स्तरीय कार्यकारिणी का गठन किया गया। चयनित पदाधिकारियों में श्रवण कुमार को मंडल प्रधान, परवेज अली को सचिव व दलबीर को सहायक सचिव पद की जिम्मेवारी सौंपी गई।

शादी समारोह के दौरान मारपीट करने का आरोप

झज्जर। क्षेत्र के गांव बहु में शादी समारोह के दौरान एक व्यक्ति ने गांव के ही कुछ लोगों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस को दी शिकायत में कुलदीप पुत्र जगदीश ने बताया कि जब वह 16-17 अप्रैल की रात तेजबीर की शादी में गया था तो वहां डीजे पर नाच रहा था। उसी दौरान गांव के कुछ लोगों ने उसके साथ मारपीट करते हुए उसके शरीर को चोट पहुंचाई वहीं उसके सिर पर भी किसी चीज से प्रहार किया। इसके बाद जब लोग एकत्रित हुए तो वे उसे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से चले गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए नियमानुसार आगामी शुरू कर दी है।

शिविर लगाकर स्वयंसेवकों को दिए करियर संबंधी टिप्स

सकारात्मक दृष्टिकोण को बताया सफलता का सूत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में एनएसएस इकाई एक और दो के स्वयंसेवकों द्वारा कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर मीनाक्षी और विकास सुहाग के नेतृत्व में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर की साफ-सफाई की गई और मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर दलबीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉक्टर रवि किरण मदान ने विस्तार व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि कॉलेज में आने का उद्देश्य केवल डिग्री लेना और नौकरी हासिल करना नहीं होना चाहिए। व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होना भी जरूरी है। अगर अच्छा जीवन चाहिए तो अच्छी पढ़ाई करनी पड़ेगी। सकारात्मक दृष्टिकोण, कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प जीवन में सफलता के मूल सूत्र हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं और अपने आसपास के परिवेश को समझें। उन्होंने विद्यार्थियों को पाठ्येतर गतिविधियों में भागीदारी व नियमित लेखन का अभ्यास करने के लिए भी प्रेरित किया। इसके उपरांत स्वयंसेवकों ने कैमलगढ़ गांव तक मतदाता जागरूकता रैली निकाली, जिसे अतिरिक्त उपायुक्त सलोनी शर्मा ने रवाना किया। रैली के दौरान स्वयंसेवकों ने आमजन को जागरूक करते हुए उन्हें मतदान के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत स्लोगन राइटिंग, पोस्टर मेकिंग व गीत गायन आदि गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर प्राध्यापिका सुरीला व डॉक्टर अमित भारद्वाज सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉक्टर रवि किरण मदान। फोटो: हरिभूमि

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। पुलिस चौकी आसौदा के एरिया से लोहे के टावरों के नट, बोल्ट व एंगल चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मामले की जानकारी देते हुए चौकी प्रभारी सहायक उप निरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि संजीव कुमार जूनियर इंजीनियर उत्तर हरियाणा बिजली निगम की शिकायत पर केस दर्ज हुआ था। आरोपी की पहचान मोहित निवासी लुक्सर के तौर पर हुई है। आरोपी से वारदात में प्रयोग किया गया ऑटो, 10 लोहे के बड़े नट, 12 वोल्ट, 2080 रुपये बरामद किए गए हैं।

आनंददास आश्रम में भंडारा आज

झज्जर। कोसली रोड स्थित श्रीश्री 1008 बाबा आंनद दास आश्रम में शुक्रवार को भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंदिर महंत अजय दास महाराज ने बताया कि सत्संग के दौरान क्षेत्र के साधु-संत, श्रद्धालु व गायक कलाकार बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे।

हनुमान जयंती पर जागरण व भंडारे का आयोजन होगा

झज्जर। क्षेत्र के गांव खेड़ी सुलतान में आगामी 22 अप्रैल को श्री हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में जागरण का आयोजन किया जाएगा। आयोजक समिति सदस्य पंडित सतीश शर्मा ने बताया कि जागरण के दौरान जहां गायक कलाकारों द्वारा बाबा की महिमा का गुणगान किया जाएगा वहीं अगले दिन 23 अप्रैल को भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा।

चार लोगों की आंखों का करवाया ऑप्रेशन

बहादुरगढ़। जिला पार्षद रविंद्र छिल्लर ने दिल्ली में 4 लोगों की आंखों का ऑप्रेशन करवाया है। भाजपा नेता द्वारा रविवार को लगाए गए नेत्र जांच शिविर में जांच के दौरान इन लोगों को मोतियाबिंद की बीमारी से ग्रस्त पाया गया था। रविंद्र छिल्लर बराही ने बताया कि वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में सेवा ही संगठन के सिद्धांत पर चलते हुए वे 2016 से लेकर अब तक 3182 लोगो की आंखों का ऑप्रेशन करवा चुके हैं। जबकि हजारों लोगों को फ्री चश्मे भी दे चुके हैं।

घर के बरामदे में खड़ी मोटरसाइकिल चोरी

झज्जर। क्षेत्र के गांव कोयलपुर में घर के सामने बरामदे में खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में कोयलपुर गांव निवासी आनंद ने बताया कि उसने अपनी मोटरसाइकिल को घर के बरामदे में खड़ा किया था। सुबह जब उठकर देखा तो मोटरसाइकिल चोरी हो चुकी थी। उसने इस संबंध में अपने स्तर पर भी मोटरसाइकिल का पता करने की कोशिश की लेकिन कोई सुराग नहीं लग पाया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

गोदाम में गाड़ी लेकर जाने वाले चालकों से सुविधा शुल्क लेने का आरोप

पौने 3 लाख क्विंटल से अधिक गेहूं की आवक, उठान की गति धीमी

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

सरसों व गेहूं आवक के बाद गेहूं का उठान धीमी गति होने के कारण किसानों व आढ़तियों को परेशानी आ रही है। जगह-जगह लगी फसलों की छोटी-छोटी ढेरियों ने अब बड़े ढेर का रूप लेना शुरू कर दिया है। किसानों का कहना है कि सरसों की खरीद व उठान कार्य नियमित किया जा रहा है लेकिन आवक बावजूद गेहूं की फसल का उठान नहीं हो पा रहा। मंडी परिसर में फसल रखने के लिए बनाई गई टिनशेड से बाहर खुले में उससे कहीं अधिक गेहूं पड़ा है। ऐसे में बदलते मौसम के कारण बारिश आने पर गेहूं गीला होने का खतरा भी बना है। फसलों की लगातार आवक के कारण गेटपास कटवाने के लिए भी किसानों की लंबी कतार दिनभर लगी रहती है। हालांकि श्रमिकों द्वारा फसल को दुरुस्त करने का कार्य भी समय-समय पर किया जा रहा है और जेसीबी की सहायता से मंडी परिसर में फैले गेहूं के ढेर को और अधिक ऊंचा उठाने का कार्य किया जा रहा है। उधर, नई अनाज मंडी एसोसिएशन के प्रधान हरेंद्र सिलाना ने ठेकेदार पर चालकों से सुविधा शुल्क लेने का आरोप लगाते हुए एसडीएम को शिकायत दी गई है। उन्होंने कहा कि अगर इस समस्या का समाधान नहीं होता है कि आढ़ती एसोसिएशन कोई बड़ा निर्णय लेने पर मजबूर होंगे।

झज्जर। स्थानीय अनाजमंडी में लगे गेहूं के ढेर। फोटो : हरिभूमि

8600 क्विंटल गेहूं का उठान

अनाजमंडी सुपरवाइजर रणदीप ने बताया कि अब तक स्थानीय अनाज मंडी में 183469 क्विंटल सरसों की आवक हो चुकी है। जिसमें से 1 लाख 59 हजार 549 क्विंटल सरसों खरीदी जा चुकी है जबकि 87 हजार क्विंटल सरसों का उठान भी हो चुका है। इसके अलावा अभी तक अनाजमंडी में कुल 285624 क्विंटल गेहूं की आवक दर्ज की गई है जिसमें से कुल 103719 क्विंटल गेहूं की खरीद हो पाई है।

एसडीएम को भेजी गई शिकायत

नई अनाजमंडी आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान हरेंद्र सिलाना ने एसोसिएशन की ओर से एसडीएम को भेजी गई शिकायत में गोदाम पर गाड़ी खाली करने वाले चालकों व संबंधित मालिकों से एक रुपये प्रति बैग के हिसाब से टैक्स वसूलने का आरोप वहां के ठेकेदार पर लगाया है। शिकायत में बताया गया है कि तलाव रोड स्थित गोदाम पर जब अनाजमंडी की गाडियां गेहूं लेकर जाती है तो खाली होने उपरांत गाड़ी वालों से एक रुपया प्रति बैग के हिसाब से वहां की लेबर या ठेकेदार द्वारा टैक्स लिया जाता है। गाड़ी खाली होने उपरांत उन्हें बंधक बनाए जाने की बात भी शिकायत में कही गई है। आढ़तियों का कहना है कि उनकी इस समस्या का शीघ्र समाधान किया जाए।

गेहूं 6075 तो सरसों 773 क्विंटल खरीदा गया

बहादुरगढ़। इलाके की अनाज मंडियों में सरसों और गेहूं की खरीद प्रक्रिया जा रही है। फसल का उठान भी लगातार हो रहा है। बहादुरगढ़ की अनाज मंडी में वीरवार को सरसों की फसल के लिए 35 गेट पास जारी हुए और 426.35 क्विंटल फसल किसान लेकर आए। जबकि 773.10 क्विंटल सरकारी खरीद हुई। कुल मिलाकर अभी तक यहां 14872.55 क्विंटल सरसों की खरीद हो चुकी है। जबकि उठान 9375.50 क्विंटल हो चुका है। इसी तरह गेहूं के लिए बहादुरगढ़ की मंडी में आठ तो आसौदा की मंडी में 54 गेट पास दिए गए। कुल मिलाकर 6341.53 क्विंटल गेहूं वीरवार को मंडी में आया। बहादुरगढ़ में 404 और आसौदा में 6075.5 क्विंटल की खरीद हुई। अभी तक दोनों मंडियों में 49949 क्विंटल गेहूं खरीदा जा चुका है। जबकि 28544.5 क्विंटल उठान हो चुका है।

जिले के मुक्केबाजों ने टैलेंट हंट में जीते पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

रोहतक यूथ टैलेंट हंट नेशनल में झज्जर के मुक्केबाजों ने पदक जीत कर जिले का गौरव बढ़ाया है। बॉक्सिंग कोच हितेश देशवाल ने बताया कि आयोजित प्रतियोगिता में सागर ने 80 किलोग्राम भार वर्ग, मौसम सुहाग ने 60 किलोग्राम भर वर्ग में जहां में स्वर्ण पदक हासिल किया वहीं रितु, कनिका व विवेक सांगवान ने अपने-अपने भारवर्ग में कांस्य पदक जीता। इसके अलावा आर्यन ने 57 किलोग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। इस उपलब्धि पर होनहार खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झज्जर। होनहार खिलाड़ी कनिका।

मानचित्र स्पर्धा में प्रियांशु प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव छारा के राजकीय महाविद्यालय में इतिहास विभाग के तत्वाधान में मानचित्र दक्षता प्रतियोगिता हुई। इसके अलावा अंग्रेजी व लोक प्रशासन विभाग की ओर से भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। जिनका विषय क्रमशः शेक्सपियर का साहित्य व प्रशासन में जवाबदेही रहा। मानचित्र दक्षता व अन्य प्रतियोगिता में 30 बच्चों ने भाग लिया। मानचित्र प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बीए तृतीय से प्रियांशु ने प्राप्त किया। कार्यवाहक प्राचार्या अनीता दलाल ने सभी विजेताओं विद्यार्थियों को प्रोत्याहित किया। इस अवसर पर मंजू मलिक, ज्योति, ललिता, मोहित, मंजू देशवाल मौजूद रहे।

बहादुरगढ़ में किशोर की बुरी तरह से की पीटाई, वीडियो भी बनाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

लाइनपार इलाके में छीना झपटी का विरोध करने पर एक किशोर के साथ मारपीट की गई। परिजनों ने कुछ युवकों पर अपने बेटे को जान से मारने की नीयत से अगवा करने, मारपीट करने व अश्लील वीडियो बनाने का आरोप लगाया है। आरोपों की सच्चाई, अभी जांच का विषय है। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

पीड़ित किशोर की उम्र करीब 15 साल है। पुलिस को दी शिकायत में एक व्यक्ति ने कहा है कि उसका बेटा घर से 2500 रुपये लेकर सामान खरीदने के लिए गया था। रास्ते में तीन युवकों और उनके तीन साथियों ने बेटे की स्कूटी रुकवा ली। फिर छीना झपटी करने लगे। बेटे ने विरोध किया तो वे सभी आरोपी जबरन गाड़ी में डालकर बराही रोड पर खेतों में ले गए। वहां लोहे की रॉड और डंडों से वार किए गए। इतना ही नहीं, कपड़े उतारकर अश्लील वीडियो भी बना ली। वहां से गुजर रहे लोगों की नजर पड़ी तो सभी आरोपी धमकी देकर भाग गए। राहगीरों ने ही बेटे को घर तक पहुंचाया। इसके बाद हम उसे अस्पताल में ले गए। जहां से पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। लड़के को गंभीर चोट आई हैं। उधर, इस शिकायत पर लाइनपार थाना पुलिस ने तीन नामजद व इतने ही अज्ञात युवकों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की। आरोप कितने सही हैं, ये तफ्तीश का विषय है। अभी तक सामने आया कि पीड़ित के साथ छीना झपटी या अगवा करने जैसी कोई वारदात नहीं हुई है। मामला किसी लड़की को लेकर हुए विवाद से जुड़ा है। एक आरोपी द्वारा मैसेज करने पर ही किशोर वहां गया था। बहरहाल, इस बात में कितनी सच्चाई है, इसकी पुष्टि जांच पूर्ण होने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस फिलहाल तफ्तीश में जुटी है।

- पहले रास्ते में रोका फिर छीना झपटी करने लगे, विरोध किया तो सभी आरोपी जबरन गाड़ी में डालकर बराही रोड पर खेतों में ले गए और रॉड से पीटा व अश्लील वीडियो बनाया

फसल कटाई के दौरान सावधानी बरतने की सलाह

बहादुरगढ़। प्रत्येक साल 14 से 20 अप्रैल तक समूचे देश में राष्ट्रीय सेवा सप्ताह मनाया जाता है। इसे ध्यान में रखते हुए दमकल अधिकारी रवींद्र गौतम ने बताया कि फसल कटाई विशेषकर गेहूं काटते व निकालते समय यदि किसान कुछ सावधानियों को बरते तो आग से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। विदित है कि भारत सरकार की ओर से 1944 में हुए मुंबई अग्निकांड से सबक लेते हुए यह दिन मनाया जाता है। उस दौरान पानी जहाज दुर्घटना कांड में लगभग 700 लोगों की जानें गई थी। जबकि आग को बुझाने व संपति की सुरक्षा के दौरान 70 फाईटरों की जानें चली गई थी। बाद में किसी तरह मुंबई फायर सर्विस, विक्टोरिया डॉक सर्विस, महाराष्ट्र अग्निशामक सेवा के संयुक्त प्रयास से आग पर काबू पाया गया। इसी कारण प्रत्येक साल भारत सरकार की ओर से अग्नि सेवा सप्ताह मनाया जाता है।

जब स्कूलों में गुरु ही नहीं होंगे तो भारत कैसे बन पाएगा विश्वगुरु

टीजीटी अभ्यर्थियों की पैदल यात्रा का हुआ स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

भर्ती का रिजल्ट निकलवाने की मांग को लेकर 7471 टीजीटी संघ द्वारा पंचकूला जाने के लिए कोसली से शुरू की पदयात्रा वीरवार को झज्जर पहुंची। बेरी क्षेत्र पहुंचने पर पदयात्रा का ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया गया। टीजीटी संघ के प्रधान सुरेंद्र रावत ने बताया कि वे टीजीटी अभ्यर्थियों का अंतिम परिणाम निकलवाने व ज्वाइनिंग के लिए पिछले एक वर्ष से संघर्ष कर रहे हैं। उनकी मांग है कि आगामी 23 अप्रैल को सरकार द्वारा कोर्ट में अभ्यर्थियों की पैरवी हो। इस संबंध में वे प्रदेश के सभी उपायुक्तों के अलावा 35 भाजपा विधायकों व दस सांसदों को ज्ञापन देकर भर्ती पूरी कराने की गुहार लगा चुके हैं अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ। इसके अलावा वे एचएसएससी के समक्ष भी महीने भर तक धरना दे चुके हैं।

उन्होंने बताया कि बीती 23 मार्च को पूर्व सीएम मनोहर लाल ने 29 हजार भर्ती पूरी करने का वायदा किया था जिसे पूरा नहीं किया गया। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के हजारों पद खाली हैं जबकि सरकार 2047 तक भारत को विश्व गुरु बनाए जाने की बात कह रही है। सुरेंद्र रावत ने कहा कि जब स्कूलों में गुरु ही नहीं होंगे तो भारत विश्व गुरु कैसे बन पाएगा। उन्होंने बताया कि उनका सायंकालीन पड़ाव कलानौर क्षेत्र में होगा। पैदलयात्रा में उनके साथ अंकित, वीरेन, वतन, रेणू, देवेंद्र, बिजेंद्र, पूनम, रोहित, प्रवीण, सुरेंद्र आदि भी मौजूद रहे।

झज्जर। पदयात्रा के दौरान हाथों में बैनर लिए टीजीटी अभ्यर्थी। फोटो : हरिभूमि

वार्षिक समारोह में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर के एनआर हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित वार्षिक समारोह में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समा बांध दिया। शुरुआत में आठवीं कक्षा के बच्चों ने गणेश वंदना की। छोटे बच्चों ने भी सुंदर डांस कर मन मोह लिया। मुख्य अतिथि के रूप में कर्मबीर चौहान व सिकंदर प्रधान ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। प्रधानाचार्य डॉ सुनीता पंवार ने स्कूल की प्रगति व विद्यार्थियों के प्रदर्शन से सभी को अवगत करवाया। इस मौके पर दादा बूढ़े के भंडारे का भी आयोजन किया गया। उत्कृष्ट विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर भविष्य में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देने वाले विद्यार्थी।

रैली निकालकर मतदान के लिए लोगों को किया जागरुक

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

राजकीय महाविद्यालय बिरोहड़ में एनएसएस यूनिट-एक के तत्वावधान में वीरवार को एक दिवसीय कैंप का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉक्टर सत्यव्रत मलिक और प्रशानसिक अधिकारी डॉक्टर अनीता फौगाट के मार्गदर्शन में छात्राओं द्वारा मतदान जागरुकता रैली निकाली गई। रैली के दौरान स्वयं सेविकाओं ने एनएसएस अधिकारी सुनीता व पवन कुमार की अगुवाई में वोट का पर्व-देश का गर्व जैसे नारे लगाते हुए ग्रामीणों को मतदान के लिए प्रेरित किया। डॉक्टर अनीता फौगाट ने छात्राओं को दिए व्याख्यान के माध्यम से देश की प्रगति एवं उत्थान में मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सभी पात्र नागरिकों को मत देने और जागरूक निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करके भारत में सही मायनों में सहभागी लोकतंत्र का निर्माण करना ही स्वीप का प्रमुख लक्ष्य है। जिला निर्वाचन कार्यालय के आदेशानुसार वोट बनवाने के कार्य में 95 प्रतिशत सफलता भी महाविद्यालय ने हासिल कर ली है। इसके अलावा छात्राओं को पर्यावरण सरंक्षण में योगदान देने के लिए भी प्रेरित किया गया।

श्री हनुमान जन्मोत्सव पर ध्वजा व शोभा यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। श्री हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर सोमवार 22 अप्रैल को ध्वजा यात्रा व शोभा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। सुबह 8 बजे ध्वजा यात्रा व शोभा यात्रा अनाज मंडी के श्री राधा कृष्णा मंदिर से चलकर रेलवे रोड, लाल चौक, मेन बाजार, झज्जर रोड, मांडोठी बाजार, कमेटी चौक व नजफगढ़ रोड से होती हुई मंदिर श्री बालाजी महाराज में पहुंचेगी। मंगलवार 23 अप्रैल को सुबह 8 बजे महाबीर मंदिर से मंदिर श्री बालाजी महाराज तक ध्वजा यात्रा निकाली जाएगी। इसके उपरांत दोपहर 12 बजे भंडारा होगा।

भगवान महावीर जन्मोत्सव 21 को

बहादुरगढ़। जैन समाज बहादुरगढ़ की ओर से भगवान महावीर का 2623वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। रविवार 21 अप्रैल को सुबह अग्रवाल कॉलोनी के जैन मंदिर में शांति धारा कार्यक्रम होगा और इसके बाद शांति विधान होगा। यह जानकारी देते हुए जैन समाज बहादुरगढ़ के प्रधान सुनील जैन ने बताया कि सुबह करीब साढ़े 10 बजे अग्रवाल कॉलोनी के जैन मंदिर से भगवान महावीर की पालकी चलेगी। यह पालकी पूरे गाजे-बाजे के साथ धूमधाम से निकाली जाएगी। अग्रवाल कॉलोनी, गांधी मार्केट से होकर अनाज मंडी स्थित पांडुशिला पर पहुंचेगी और पूरे विधान के साथ भगवान महावीर का नवहन होगा। इसके बाद यहां भंडारे का आयोजन होगा।

शिक्षा अधिकारियों ने किया स्कूल का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

वीरवार को जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुभाष भारद्वाज, डाइट माछरोली प्रिंसिपल बीपी राणा, खंड शिक्षा अधिकारी मुन्नी सहारण, जिला को-ऑर्डिनेटर सुदर्शन पूनिया ने बहादुरगढ़ में रेलवे रोड स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रिंसिपल सहित अन्य शिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण दौरान प्रिंसिपल सुरेश सैनी, स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य सतीश शर्मा, सोनू कुमार, विनोद कुमार सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। शिक्षा अधिकारियों ने विद्या की देवी मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। विद्यालय में 10 नवनिर्मित कमरों, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, कंप्यूटर कक्ष का निरीक्षण किया गया। साथ ही सफाई व्यवस्था और मिड डे मील की सुविधा भी परखी गई।

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुभाष भारद्वाज ने अध्यापकों को जल शक्ति और स्वच्छता अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। शिक्षा अधिकारियों ने स्कूल प्रबंधन समिति और प्रिंसिपल सुरेश सैनी द्वारा करवाए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर एसएमसी इंचार्ज सुशीला, प्राध्यापक सुरेश वर्मा, विजय छिल्लर, प्रिंसिपल कर्मबीर तहलान, कविता सहरावत सहित अन्य उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। स्कूल में नवनिर्मित कमरों का निरीक्षण करते अधिकारी।

प्लास्टिक वेस्ट की अनधिकृत डंपिंग की रोकथाम के लिए धारा 144 लागू

झज्जर। जिलाधीश कैप्टन शक्ति सिंह ने जिले में बढ़ते प्लास्टिक प्रदूषण के खिलाफ कड़ा संज्ञान लेते हुए जिले में धारा 144 लागू कर दी है। उन्होंने आपराधिक प्रक्रिया संहिता 1973 के तहत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले की राजस्व सीमा में अनाधिकृत स्थानों पर प्लास्टिक वेस्ट को डंप करने पर पूर्णतय पाबंदी लगा दी है। अगर कोई व्यक्ति आदेश की अवेहलना करते हुए प्लास्टिक वेस्ट को कहीं भी अनाधिकृत स्थान पर डंप करते हुए मिलता है तो उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

चलती ट्रेन में यात्री का मोबाइल छीना

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

ट्रेन में सफर करें तो अपने सामान का ख्याल रखें। थोड़ी सी लापरवाही आपको नुकसान पहुंचा सकती है। बहादुरगढ़ इलाके में इस तरह की कई वारदात हो चुकी हैं। अब हाल ही में कालिंदी एक्सप्रेस में एक यात्री का मोबाइल झपट लिया गया। पीड़ित ने पुलिस को शिकायत दे दी है। रेलवे पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वारदात संदीप के साथ हुई है। संदीप मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कानपुर का रहने वाला है। भिवानी स्थित एक कपड़ा फैक्ट्री में काम करता है। गत 15 अप्रैल को कालिंदी एक्सप्रेस में भिवानी जाने के लिए सवार हुआ था। अगले दिन यह गाड़ी बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन पर पहुंची। जब ट्रेन रुकी हुई थी तो संदीप अपने मोबाइल में वीडियो देख रहा था। ट्रेन चली ही थी कि इसी दौरान एक संदिग्ध युवक उसके नजदीक आया और मोबाइल झपटकर वहां से चंपत हो गया। एकाएक हुई इस वारदात से संदीप भी दंग रह गया। उसने शोर मचाया और शातिर का पीछा किया लेकिन वह ट्रेन से कूदकर भाग गया। इसके बाद जब गाड़ी रोहतक स्टेशन पर रुकी तो संदीप वापस बहादुरगढ़ आया। यहां आसपास शातिर की तलाश की और पुलिस को शिकायत दी। उसकी शिकायत पर बहादुरगढ़ जीआरपी ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। बता दें कि इस तरह की वारदात पहले भी यहां हो चुकी हैं। यहां स्टेशन पर कैमरों का भी अभाव है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900